rScheme & Examination of Functional Hindi (B.A. IIIrd --VIth. Sem.)

				Practical	
B.A. IIIrd. Sem	**(Existing July 2011)**				
Paper IIIrd.	(टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन एवं प्रूफ पठन)	100	60	30	10
B.A. IVth. Sem	**(Existing January 2011)**				
Paper IVth.	(दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन)	100	60	30	10
B.A. Vth. Sem	**(Existing July 2012)**				
Paper Vth.	(कंप्यूटर, फाइलीकरण एवं उद्यमिता)	100	60	30	10
B.A. VIth. Sem	**(Existing January 2013)**				
Paper VIth.	(पत्रकारिता एवं विज्ञापन)	100	60	30	10

Head
Dept. of Hindi

Scheme & Examination of Elective Hindi (B.A. IIIrd --VIth. Sem.)

B.A. IIIrd . Sem	**Existing July 2011**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper IIIrd.	हिंदी ऐच्छिक	100	90	10

B.A. IVth . Sem	**Existing January 2012**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper IVth.	हिंदी ऐच्छिक	100	90	10

B.A. Vth. Sem	**Existing July 2012**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper Vth.	हिंदी ऐच्छिक	100	90	10

B.A. VIth . Sem	**Existing January 2013**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper VIth.	हिंदी ऐच्छिक	100	90	10

Head
Dept. of Hindi

Scheme & Examination of Compulsory Hindi (B.A. IIIrd--VIth. Sem.)

B.A. IIIrd . Sem	**Existing July 2011**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper IIIrd.	हिंदी अनिवार्य	100	90	10
B.A. IVth . Sem	**Existing January 2012**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper IVth.	हिंदी अनिवार्य	100	90	10
B.A. Vth . Sem	**Existing July 2012**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper Vth.	हिंदी अनिवार्य	100	90	10
B.A. VIth . Sem	**Existing January 2013**			
Paper No.	Name of Paper	Max. Marks	Written	Internal
Paper VIth.	हिंदी अनिवार्य	100	90	10

Head
Dept. of Hindi

Scheme & Examination of Honors Hindi (B.A. IIIrd--VIth. Sem.)

B.A. IIIrd. Sem Exiting July 2011

पाँचवाँ प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिंदी कविता	100	80	20
छठा प्रश्नपत्र : आधुनिक हिंदी कविता	100	90	10
सातवाँ प्रश्नपत्र : कहानी साहित्य	100	90	10

B.A. IVth. Sem Exiting January 2012

आठवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध साहित्य	100	90	10
नौवाँ प्रश्नपत्र : संस्मरण और आत्मकथा	100	90	10
दसवाँ प्रश्नपत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)	100	90	10

B.A. Vth. Sem Exiting July 2012

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	100	90	10
बारहवाँ प्रश्नपत्र : पत्रकारिता और अनुवाद	100	90	10
तेरहवाँ प्रश्नपत्र : काव्यांग–परिचय	100	90	10

B.A. VIth. Sem Exiting January 2013

चौदहवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध लेखन	100	90	10
पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प–१ : कबीरदास	100	90	10
पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प–२ : सूरदास	100	90	10
पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प–३ : कवि निराला	100	90	10
पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प–४ : कवि अज्ञेय	100	90	10
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प–१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द	100	90	10
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प–२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद	100	90	10
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प–३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल	100	90	10

Head, Dept. of Hindi

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए

बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर

जुलाई २०११ से शुरू होने वाले सेमेस्टर के लिए

हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक ४० अंक
- हिंदी साहित्य का रीतिकाल ३० अंक
- प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न १० अंक

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

- तृतीय सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) म० द० विश्वविद्यालय का हिंदी विभाग तैयार करेगा । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

१ अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध
२ मैथिलीशरण गुप्त
३ जयशंकर प्रसाद
४ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
५ महादेवी वर्मा
६ रामधारी सिंह दिनकर
७ भारतभूषण अग्रवाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्यिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता की पृष्ठभूमि
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिबद्ध काव्य की विशेषताएँ
४ रीतिमुक्त काव्य की विशेषताएँ
५ रीतिकालीन काव्य की उपलब्धियाँ

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : हिंदी कंप्यूटिंग और अनुवाद

पाठ्यक्रम में निर्धारित विषय

१ कंप्यूटर : स्वरूप और महत्व

२ ई–मेल : प्रेषण–ग्रहण

३ इंटरनेट : स्वरूप और उपयोगिता

४ मशीनी अनुवाद

५ अनुवाद : परिभाषा और स्वरूप

खण्ड--घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश-

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न १० अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न १०.१० अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न २० अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए
बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर
जनवरी २०१२ से शुरू होने वाले सेमेस्टर के लिए
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- कहानी पर आधारित पाठ्यपुस्तक ४० अंक
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य ३० अंक
- पारिभाषिक शब्दावली १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न १० अंक

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

पंचम सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की कहानी पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) प्रोफेसर रोहिणी अग्रवाल (हिंदी–विभाग म० द० विश्वविद्यालय, रोहतक) तैयार करेंगी । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि वह पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित कहानीकारों की कहानियों को शामिल किया जाएगा–

१ प्रेमचंद
२ जयशंकर प्रसाद
३ स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय
४ मोहन राकेश
५ फणीश्वरनाथ रेणु
६ मैत्रेयी पुष्पा
७ ओमप्रकाश वाल्मीकि

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
२ हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
३ हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
४ हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
५ हिंदी निबन्ध : उद्‌भव और विकास

खण्ड--ग : पारिभाषिक शब्दावली

निर्धारित विषय

१ पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप और महत्व

२ पारिभाषिक शब्दावली के गुण

३ पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण में सक्रिय विविध सम्प्रदाय : राष्ट्रीयतावादी, अन्तरराष्ट्रीयतावादी, समन्वयवादी ।

खण्ड-- घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न १० अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न १०.१० अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न २० अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए
बी०ए० : पाँचवाँ सेमेस्टर
जुलाई २०१२ से शुरू होने वाले सेमेस्टर के लिए
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- समकालीन हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक ४० अंक
- हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता ३० अंक
- प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्र लेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न १० अंक

खण्ड--क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

चतुर्थ सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की समकालीन हिंदी कविता पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) म० द० विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा। म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित रचनाकारों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

१ स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय
२ धर्मवीर भारती
३ श्रीनरेश मेहता
४ नागार्जुन
५ रघुवीर सहाय
६ कुँवर नारायण
७ लीलाधर जगूड़ी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों पर उनके साहित्सिक परिचय, अनुभूतिगत वैशिष्ट्य तथा अभिव्यक्तिगत सौष्ठव पर ही प्रश्न पूछे जायेंगे । कवियों की विशिष्ट रचनात्मक प्रवृत्ति पर प्रश्न नहीं पूछे जायेंगे ।

खण्ड--ख : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता
पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
२ द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
३ छायावाद
४ प्रगतिवाद

५ प्रयोगवाद
६ नयी कविता
७ समकालीन कविता

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्रलेखन, संक्षेपण तथा पल्लवन

१ पत्रलेखन : स्वरूप और उसके विविध भेद
२ संक्षेपण
३ पल्लवन

खण्ड--घ : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न १० अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न १०.१० अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न २० अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय, रोहतक के लिए
बी०ए० षष्ठ सेमेस्टर
जनवरी २०१३ से शुरू होने वाले सेमेस्टर के लिए
हिन्दी (अनिवार्य)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

- नव्यतर विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक ४० अंक
- हरियाणवी लोक साहित्य का इतिहास ३० अंक
- हिंदी पत्रकारिता १० अंक
- वस्तुनिष्ठ प्रश्न १० अंक

खण्ड क : प्रस्तावित निर्धारित पाठ्यपुस्तक

पंचम सेमेस्टर हिंदी (अनिवार्य) की नव्यतर गद्य विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) म० द० विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा। म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पाठ्य पुस्तक में निम्नलिखित लेखकों की रचनाओं को शामिल किया जाएगा–

१ (निबन्ध) : बालमुकुन्द गुप्त
२ (निबन्ध) : आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
३ (संस्मरण) : महादेवी वर्मा
४ (ललित निबन्ध) : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
५ (ललित निबन्ध) : विद्यानिवास मिश्र
६ (व्यंग्य) : हरिशंकर परसाई
७ (यात्रावृत्तान्त) : राहुल सांकृत्यायनश्श्श्श्श्

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित लेखकों के साहित्यिक परिचय, निबन्धों के वस्तु पक्ष तथा कला पक्ष पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे । श

श्

खण्ड--ख : हरियाणवी भाषा और साहित्य का इतिहास

पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ हरियाणवी भाषा का उद्भव और विकास
२ हरियाणवी भाषा की प्रमुख बोलियाँ
३ हरियाणा की सांग परम्परा : उद्भव और विकास
४ हरियाणवी भाषा का आधुनिक साहित्य
 (क) हरियाणवी कविता : परिचय और प्रवृत्तियाँ
 (ख) हरियाणवी का गद्य साहित्य

१ उपन्यास साहित्य
२ कहानी साहित्य
३ नाट्य साहित्य

खण्ड--ग : प्रयोजनमूलक हिंदी : पत्रकारिता

१ पत्रकारिता : स्वरूप एवं प्रकार
२ शीर्षक की संरचना
३ सम्पादक के गुण और दायित्व
४ फीचर लेखन
५ स्वतंत्र प्रेस की अवधारणा

खण्ड--घ वस्तुनिष्ठ प्रश्न

निर्देश

१ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य–पुस्तक में से व्याख्या के लिए चार अवतरण पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न १४ अंक का होगा ।

२ खण्ड (क) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को एक प्रश्न का उत्तर देना होगा । यह प्रश्न १० अंक का होगा ।

३ खण्ड (क) में निर्धारित पाठ्य पुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से छः लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए चार अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ खण्ड (ख) में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न १०–१० अंक का होगा । इस प्रकार यह प्रश्न २० अंक का होगा ।

५ खण्ड (ख) में निर्धारित प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग १५० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

६ खण्ड (ग) में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघुत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक उप प्रश्न के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

७ खण्ड (घ) में पूरे पाठ्यक्रम में से १० वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न १ अंक का तथा पूरा प्रश्न १० अंक का होगा।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म०द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पाँचवाँ प्रश्नपत्र : मध्यकालीन हिन्दी कविता

(क)-- भक्तिकालीन हिंदी कविता

भक्तिकाल के निम्नलिखित कवियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ कबीरदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तक–कबीर–आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
निर्धारित वाणी–संख्या–१, २, ८, २२, ३४, ३५, ३६, ४३, ५६, ६३, ६६, ७७, ७६, ८०, ८७, ९१, १०६, ११५, १२३, १२६, १३४, १३५, १४०, १४८, १६२ = २५

२ जायसी

निर्धारित पाठ्यपुस्तक– जायसी ग्रन्थावली : सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल
निर्धारित खण्ड : स्तुति खण्ड तथा नागमती वियोग खण्ड

३ सूरदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तक–भ्रमरगीत सार : संपादक–रामचन्द्र शुक्ल
निर्धारित पद–७, १४, २१, २४, ३४, ३८, ४२, ५०, ५२, ६२, ६४, ८५, ८६, १००, ११३, ११४, ११५, १३६, १४१, १५६, १७१, १७२, १७६, १६०, २००=२५

४ तुलसीदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कवितावली (गीता प्रेस, गोरखपुर)
निर्धारित छंद : बालकाण्ड से – १, २, ३, ४, ५, ६, ७, १६
अयोध्याकाण्ड से –१, २, ११, १६, २२, २७
सुन्दरकाण्ड से – ५, १०
उत्तरकाण्ड से – ६, २८, ३१, ३७, ४४, ४६, ५७, ७१, ७८ कुल =२५

५ रैदास

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : रैदास की बानी (प्रकाशक : बेलवीडियर प्रिंटिंग प्रेस, इलाहाबाद)
निर्धारित साखी – १–६
निर्धारित पद – ३, ४, ६, ७, ८, ९, १०, ११, १२, १६, १६, २२, ३२, ३४, ४०, ४२, ५०, ५५, ५६, ५७, ६६, ७०=२२

(ख)-- रीतिकालीन हिंदी कविता

रीतिकाल के निम्नलिखित कवियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१ केशवदास
२ देव
३ बिहारी
४ भूषण
५ घनानन्द

रीतिकाल पर प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक निर्माण के साथ किया जायेगा) म०द० विश्वविद्यालय, रोहतक का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पूर्व वह पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये ।

खण्ड-(ख) निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ भक्तिकाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ कबीर का समाज सुधारक रूप
२ कबीर की भक्तिभावना
३ सूर का वात्सल्य वर्णन
४ सूर का शृंगार वर्णन
५ तुलसी का समन्वयवाद
६ तुलसी की सार्थकता
७ जायसी का वियोग–वर्णन
८ पदमावत का महाकाव्यत्व
९ रैदास की भक्तिभावना
१० रैदास की सामाजिक चेतना

१ रीतिकाल पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ केशवदास का काव्य–वैशिष्ट्य
२ केशवदास का आचार्यत्व
३ देव का काव्य–वैशिष्ट्य
४ देव का अभिव्यक्ति–विधान
५ सतसई परम्परा में बिहारी सतसई का स्थान
६ बिहारी की बहुज्ञता
७ भूषण के काव्य का प्रतिपाद्य
८ सिद्ध कीजिए कि भूषण युग प्रवर्त्तक कवि हैं ।
९ घनानन्द का प्रेम–निरूपण
१० घनानन्द के काव्य का कलापक्ष

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित भक्तिकालीन हिंदी कविता और रीतिकालीन हिंदी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से (भक्तिकाल तथा रीतिकाल से) दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक खण्ड से कम से कम एक

प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ भक्तिकालीन हिन्दी कविता तथा रीतिकालीन हिन्दी कविता एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

छठा प्रश्नपत्र : आधुनिक हिन्दी कविता

(क)-- **छायावादी हिंदी कविता**
निर्धारित पाठ्यपुस्तक

प्रसाद, निराला, पन्त, महादेवी की श्रेष्ठ रचनाएँ--प्रस्तुतकर्त्ता : वाचस्पति पाठक
प्रकाशक–लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद ।

निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

१ **जयशंकर प्रसाद**–हिमाद्रि तुंगश्रृंग से, जाग री, मेरे नाविक, संसृति के वे सुन्दरतम क्षण, आह! वेदना मिली विदाई, सौन्दर्य, कौन तुम ? संसृति–जलनिधि तीर, इतना न चमत्कृत हो बाले ।

२ **सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला**–भारती वन्दना, वसन्त आया, जागो फिर एक बार, बादल राग (१), बादल राग (२), बादल राग (६), ध्वनि, गहन है यह अन्धकारा, स्नेह निर्झर बह गया, सरोज–स्मृति ।

३ **सुमित्रानंदन पंत**–नौका विहार, चाँदनी, तप रे !, ताज, द्रुत झरो, यह धरती कितना देती है!, भारत माता, धेनुएँ ।

४ **महादेवी वर्मा**–धीरे–धीरे उतर क्षितिज से, जीवन विरह का जलजात, मैं बनी मधुमास आली !, मधुर–मधुर मेरे दीपक जल ! तुम मुझमें प्रिय ! फिर परिचय क्या !, मैं नीर भरी दुःख की बदली, पंथ होने दो अपरिचित, जब ये दीप थके, यह मन्दिर का दीप ।

(ख)-- **छायावादोत्तर हिंदी कविता**
निर्धारित कवि और उनकी कविताएँ :

१ **स० ही० वात्स्यायन अज्ञेय**
निर्धारित पुस्तक : अज्ञेय : सं० विद्यानिवास मिश्र
निर्धारित कविताएँ–आज थका हिय हारिल मेरा, मैंने देखा एक बूँद, पानी बरसा, बावरा अहेरी, सत्य तो बहुत मिले, नन्दा देवी–६, हिरोशिमा, सोन मछली, नदी के द्वीप, असाध्य वीणा।

२ **धर्मवीर भारती**
निर्धारित पुस्तक–सात गीत वर्ष : धर्मवीर भारती

निर्धारित कविताएँ–नवम्बर की दोपहर, उत्तर नहीं हूँ, संक्रांति, वैदिक वाणी, केवल तन का रिश्ता, उपलब्धि, निर्माण–योजना, एक वाक्य, टूटा पहिया, शाम–एक थकी लड़की

३ नागार्जुन

निर्धारित पुस्तक : नागार्जुन : प्रतिनिधि कविताएँ–सं० नामवर सिंह

निर्धारित कविताएँ–प्रतिबद्ध हूँ, सिंदूर तिलकित भाल, वह दंतुरित मुस्कान, चंदू मैंने सपना देखा, बादल को घिरते देखा, सोनिया समंदर, अकाल और उसके बाद, शासन की बंदूक, सत्य।

४ दुष्यन्त कुमार

निर्धारित पुस्तक : साये में धूप–दुष्यन्त कुमार

निर्धारित गज़लें–कहाँ तो तय था चिरागाँ हरेक घर के लिए, कैसे मंज़र सामने आने लगे हैं, ये सारा जिस्म झुककर बोझ से दुहरा हुआ होगा, भूख है तो सब्र कर, रोटी नहीं तो क्या हुआ, आज सड़कों पर लिखे हैं सैंकड़ों नारे न देख, जिन्दगानी का कोई मकसद नहीं है, बाढ़ की संभावनाएँ सामने हैं, पक गई हैं आदतें, बातों से सर होंगी नहीं, मैं जिसे ओढ़ता–बिछाता हूँ ।

५ कुँवर नारायण

निर्धारित पुस्तक–कुँवर नारायण : संसार–सं० यतीन्द्र मिश्र, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।

निर्धारित कविताएँ–सवेरा, मैं जानता हूँ, चक्रव्यूह, ये पंक्तियाँ मेरे निकट, जब आदमी–आदमी नहीं रह पाता, अब की अगर लौटा तो, कविता, कविता की जरूरत, अयोध्या, : १९९२, आठवीं मंजिल पर, पुनश्च ।

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, कवियों की काव्य–संवेदना तथा अभिव्यक्ति–कौशल पर आधारित प्रश्न ही पूछे जाएंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित छायावादी हिन्दी कविता तथा छायावादोत्तर हिन्दी कविता में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी। पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों खण्डों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक खण्ड से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१२ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०११ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
तृतीय सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

सातवाँ प्रश्नपत्र : कहानी साहित्य

खण्ड-(क)- हिंदी कहानी

निर्धारित पाठ्यपुस्तक : बीसवीं शताब्दी की हिंदी कहानियाँ
(खण्ड–१ से १२ तक)–सम्पादक महेश दर्पण

निर्धारित कहानियाँ

१ शतरंज के खिलाड़ी – प्रेमचन्द : खण्ड –२ से
२ जाह्नवी – जैनेन्द्र : खण्ड – ३ से
३ डाची – अश्क : खण्ड – ३ से
४ परिन्दे – निर्मल वर्मा : खण्ड – ५ से
५ कस्बे का आदमी – कमलेश्वर : खण्ड – ५ से
६ खेल खिलौने – राजेन्द्र यादव : खण्ड – ५ से
७ लाल पान की बेगम – फणीश्वरनाथ रेणु : खण्ड – ५ से
८ अमृतसर आ गया – भीष्म साहनी : खण्ड – ७ से
९ बहिर्गमन – ज्ञानरंजन : खण्ड ७ से
१० आपकी छोटी लड़की – ममता कालिया : खण्ड ८ से
१० त्रिशंकु – मन्नू भण्डारी : खण्ड ८ से
११ अपना रास्ता लो बाबा – काशीनाथ सिंह : खण्ड –९ से
१२ अतिथि देवो भव – अब्दुल बिस्मिल्लाह : खण्ड – १० से
१३ मलबा – मंजुल भगत : खण्ड – १० से
१४ प्रमोशन – ओम प्रकाश वाल्मीकि : खण्ड – ११ से

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निर्धारित कहानीकारों का साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों का प्रतिपाद्य तथा कहानी कला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जायेंगे ।

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानियों में से आठ अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ निर्धारित पाठ्यक्रम में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

आठवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध साहित्य

खण्ड-(क)-

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक

- निबन्ध निकष – सं० डॉ० रामचन्द्र तिवारी
  प्रकाशक–विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।

निर्धारित निबन्ध-

१ साहित्य जनसमूह के हृदय का विकास है–बालकृष्ण भट्ट
२ कवियों की उर्मिलाविषयक उदासीनता–महावीरप्रसाद द्विवेदी
३ मजदूरी और प्रेम – अध्यापक पूर्ण सिंह
४ कछुआ धरम – चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
५ भारत की सांस्कृतिक एकता – रामधारी सिंह दिनकर
६ चेतना का संस्कार – सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन अज्ञेय
७ साहित्य में आत्माभिव्यक्ति – डॉ० नगेन्द्र
८ सौन्दर्य की वस्तुगत सत्ता और सामाजिक विकास–डॉ० रामविलास शर्मा

२ निर्धारित पाठ्यपुस्तकें और निर्धारित निबन्ध :

(i) अशोक के फूल : हजारीप्रसाद द्विवेदी (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अशोक के फूल
२. वसन्त आ गया

(ii) वसंत आ गया : विद्यानिवास मिश्र (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. अ़स्ति की पुकार–हिमालय
२. इन टूटे हुए दियों से काम चलाओ

(iii) रस आखेटक : कुबेरनाथ राय (भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन, दिल्ली)
इस पुस्तक से दो निबन्ध : १. रस आखेटक
२. हरी हरी दूब और लाचार क्रोध

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा भाषा शैली पर आधारित प्रश्न ही पूछे जायेंगे ।

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों (वर्ग–१ तथा वर्ग–२) में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को दोनों वर्गों से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक वर्ग में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों वर्गों के निबन्धों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक वर्ग से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

नौवाँ प्रश्नपत्र : संस्मरण और आत्मकथा

खण्ड-(क)-

निर्धारित पाठ्यपुस्तक

१ पथ के साथी – महादेवी वर्मा

२ क्या भूलूँ क्या याद करूँ (हरिवंशराय बच्चन की आत्मकथा : भाग–१)
राजपाल एण्ड संज, कश्मीरी गेट, दिल्ली ।

खण्ड-(ख)

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- 'पथ के साथी' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय
  २ पाठ्यपुस्तक में निर्धारित पाठों का प्रतिपाद्य और शिल्प

- 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' पर निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न
  १ बच्चन का साहित्यिक परिचय
  २ आत्मकथा लेखन की परम्परा
  ३ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' का प्रतिपाद्य
  ४ 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ' के आधार पर बच्चन का जीवन
  ५ आत्मकथा के निकष पर : 'क्या भूलूँ क्या याद करूँ'

निर्देश

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित दोनों पाठ्य पुस्तकों में से चार–चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से दो–दो अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
चतुर्थ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

दसवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल, भक्तिकाल तथा रीतिकाल)

आदिकाल :

१ हिन्दी साहित्येतिहास–लेखन की परम्परा
२ हिन्दी साहित्य : काल–विभाजन एवं नामकरण
३ आदिकाल का नामकरण
४ आदिकालीन हिन्दी कविता का परिवेश
५ आदिकालीन हिन्दी कविता की प्रवृत्तियाँ
६ रासो काव्य परम्परा
७ अमीर खुसरो की हिन्दी कविता

भक्तिकाल :

१ भक्तिकाल का प्रेरणास्रोत
२ निर्गुण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
३ सूफी काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
४ कृष्ण काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
५ राम काव्य : परम्परा और प्रवृत्तियाँ
६ भक्तिकाल की उपलब्धियाँ

रीतिकाल :

१ रीतिकाल का नामकरण
२ रीतिकाल की पृष्ठभूमि
३ रीतिकाव्य की प्रवृत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।
२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।
३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)

खण्ड-(क) आधुनिक काल : काव्य का इतिहास

१ आधुनिक हिन्दी साहित्येतिहास के अध्ययन की पूर्व पीठिका
२ भारतेन्दुयुगीन हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ
३ द्विवेदीयुगीन हिन्दी काव्य की प्रवृत्तियाँ
४ छायावाद की प्रवृत्तियाँ
५ प्रगतिवाद की प्रवृत्तियाँ
६ प्रयोगवाद की प्रवृत्तियाँ
७ नयी कविता की प्रवृत्तियाँ
८ समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ

खण्ड-(ख) आधुनिक काल : गद्य का इतिहास

१ हिन्दी नाटक : उद्‌भव और विकास
२ हिन्दी एकांकी : उद्‌भव और विकास
३ हिन्दी निबन्ध : उद्‌भव और विकास
४ हिन्दी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
५ हिन्दी कहानी : उद्‌भव और विकास
६ हिन्दी आलोचना : उद्‌भव और विकास
७ हिन्दी आत्मकथा : उद्‌भव और विकास
८ हिन्दी जीवनी : उद्‌भव और विकास

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

बारहवाँ प्रश्नपत्र : पत्रकारिता और अनुवाद

खण्ड-(क) : पत्रकारिता

१ पत्रकारिता : परिभाषा और स्वरूप
२ समाचार : संकलन, स्रोत एवं संवाददाता
३ सम्पादन कला एवं संपादक मंडल
४ समाचार पत्रों के प्रमुख स्तम्भ : सम्पादकीय, फीचर लेखन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, कार्टून
५ शीर्षक की संरचना एवं शीर्षक सम्पादन
६ पृष्ठसज्जा
७ प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता

खण्ड-(ख) : अनुवाद विज्ञान

१ अनुवाद : परिभाषा एवं स्वरूप
२ स्रोतभाषा एवं लक्ष्यभाषा
३ अनुवाद : प्रक्रिया एवं प्रविधि
४ अनुवाद : विज्ञान या कला
५ अनुवादक के गुण
६ अनुवाद के प्रकार
७ अनुवाद का महत्व
८ काव्यानुवाद की समस्याएँ

निर्देश :

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जुलाई २०१३ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जुलाई २०१२ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
पंचम सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

तेरहवाँ प्रश्नपत्र : काव्यांग--परिचय

निर्धारित विषय

खण्ड-(क) : काव्य-भेद

१ महाकाव्य २ खण्डकाव्य ३ गीतिकाव्य

खण्ड-(ख) : विविध गद्य विधाएँ

१ उपन्यास २ कहानी ३ नाटक ४ निबन्ध

खण्ड-(ग)

१ रस–रस का स्वरूप, रस के अवयव, रस के भेद तथा रसों का सोदाहरण परिचय

२ अलंकार : अलंकार का स्वरूप, अलंकार का महत्व, अलंकार–वर्गीकरण तथा प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–
अनुप्रास, यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, अन्योक्ति, समासोक्ति, अतिशयोक्ति, सन्देह, विरोधाभास, विभावना, मानवीकरण ।

३ छंद–छंद का स्वरूप, छंदों का वर्गीकरण, प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय–दोहा, चौपाई, बरवै, सोरठा, कुण्डलिया, छप्पय, सवैया, घनाक्षरी, स्वच्छंद अथवा मुक्तक छंद ।

४ काव्यगुण : परिभाषा और स्वरूप, काव्यगुण के भेद–प्रसाद, माधुर्य तथा ओजगुण ।

५ शब्द शक्तियाँ : परिभाषा एवं स्वरूप, भेद–अभिधा, लक्षणा और व्यंजना ।

निर्देश

१ पूरे पाठ्यक्रम में से आठ दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को चार प्रश्नों का उत्तर देना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १२ अंक निर्धारित हैं । पूरा खण्ड ४८ अंकों का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम में दस लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को २०० शब्दों में किन्हीं छः प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ५ अंक का होगा । पूरा खण्ड ३० अंकों का होगा ।

३ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह अनिवार्य वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा । पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

चौदहवाँ प्रश्नपत्र : निबन्ध-लेखन

निबन्ध हेतु निर्धारित विषय

खण्ड-(क) : साहित्यिक और सामान्य निबन्ध

१ साहित्य और समाज
२ राष्ट्रभाषा हिन्दी : समस्याएँ और समाधान
३ समाजसुधारक कबीर
४ लोकनायक तुलसीदास
५ भक्तिकाल : स्वर्णयुग
६ छायावाद
७ प्रगतिवाद
८ प्रयोगवाद
९ रहस्यवाद
१० भ्रष्टाचार : कारण और निवारण
११ राष्ट्रनिर्माण में नारी का योगदान
१२ हिन्दी का विश्वव्यापी स्वरूप
१३ पर्यावरण और हम
१४ मानवाधिकार
१५ भूमण्डलीकरण

खण्ड-(ख) : सूक्तिपरक निबन्ध

१ अहिंसा परमोधर्मः
२ नर हो न निराश करो मन को
३ दादा न भैया, सबसे बड़ा रूपैया
४ जहाँ चाह, वहाँ राह
५ परहित सरिस धरम नहिं भाई
६ मजहब नहीं सिखाता, आपस में बैर रखना
७ जीओ और जीने दो
८ निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल
९ दैव–दैव आलसी पुकारा
१० मनुष्य है वही जो मनुष्य के लिए मरे

निर्देश :

पाठ्यक्रम में निर्धारित खण्ड क तथा ख में से चार–चार निबन्ध पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को प्रत्येक खण्ड से एक–एक निबन्ध लिखना होगा । प्रत्येक निबन्ध ४५–४५ अंकों का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

नोट : पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र विकल्पों का है । निम्नलिखित चार विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थियों को करना होगा । चारों विकल्प इस प्रकार हैं-

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-१ : कबीरदास
पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-२ : सूरदास
पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-३ : कवि निराला
पन्द्रहवाँ प्रश्न पत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-४ : कवि अज्ञेय

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-१ : कबीरदास

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक : कबीर ग्रन्थावली-संपादक : डॉ० श्यामसुन्दरदास
निर्धारित साखी तथा पद

साखी - गुरूदेव कौ अंग, सुमिरण कौ अंग, बिरह कौ अंग, चितावणी कौ अंग ।

पद - १, २, ३, ११, १६, २१, २३, २४, ३२, ३३, ३४, ३७, ३८, ३९, ४०, ४१, ४२, ४३, ४४, ४५, ४६, ४९, ५०, ५१, ५२, ५३, ५४, ५५, ५६, ५७, ६०, ६१, ६३, ६४, ६५, ७८, ७९, ८०, ८४, ८९, ९१, ९२, ९६, १००, १११, ११३, ११४, ११७, १२०, १२९=५०

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कबीर का युग
कबीर का जीवन
कबीर का साहित्य
कबीर की सामाजिक चेतना
कबीर की दार्शनिक चेतना
कबीर की मानवतावादी चेतना
कबीर की भक्ति भावना
कबीर का रहस्यवाद
कबीर की भाषा
कबीर का कलापक्ष
कबीर–साहित्य में प्रमुख पारिभाषिक शब्द : उन्मनि, नाद, बिन्दु, आकाश ।

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ निर्धारित साखी और पद एवं कबीर पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १६ अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-२ : सूरदास

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

भ्रमरगीत सार – संपादक–रामचन्द्र शुक्ल
पद संख्या – २१ से १२१ तक =१०१ पद

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

सूर का युग
सूर का जीवन
सूर का साहित्य
सूर का वात्सल्य वर्णन
सूर का शृंगार वर्णन
सूर की भक्तिभावना
सूर का सौन्दर्यबोध
सूर की दार्शनिक चेतना
सूर का प्रकृति चित्रण
सूर की गीति योजना
सूर की काव्य भाषा

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठय्क्रम मे निर्धारित पदों तथा सूर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न बारह अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-३ : कवि निराला

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

राग–विराग : संपादक–रामविलास शर्मा

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

निराला का युग
निराला का जीवन
निराला की काव्य–कृतियाँ
निराला : बहु वस्तु स्पर्शिनी प्रतिभा के कवि
निराला की राष्ट्रीय चेतना
निराला का मानवतावादी दृष्टिकोण
निराला की प्रगतिशील चेतना
निराला की लम्बी कविताएँ : संवेदना और शिल्प
निराला की गीति योजना
निराला की काव्य भाषा
निराला का मुक्तछंद
निराला की भाषा
निराला का अभिव्यक्ति सौष्ठव

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए दस अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं तथा निराला पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट कवि : विकल्प-४ : कवि अज्ञेय

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

अज्ञेय : सम्पादक – विद्यानिवास मिश्र

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

अज्ञेय का जीवन
अज्ञेय का युग
अज्ञेय की काव्य कृतियाँ
प्रयोगवादी काव्य परम्परा में अज्ञेय
असाध्यवीणा : संवेदना और शिल्प
अज्ञेय की काव्य–संवेदना
अज्ञेय का प्रकृति वर्णन
अज्ञेय की काव्य भाषा
अज्ञेय का शिल्प विधान

निर्देश --

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/रचनाओं से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताओं तथा अज्ञेय पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

नोट : सोलहवाँ प्रश्नपत्र विकल्पों का है । निम्नलिखित तीन विकल्पों में से किसी एक विकल्प का चयन विद्यार्थियों को करना होगा । तीनों विकल्प इस प्रकार हैं-

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद
सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-१ : उपन्यासकार प्रेमचन्द

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

निर्धारित उपन्यास

१ रंगभूमि – प्रेमचन्द
२ सेवासदन – प्रेमचन्द

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

प्रेमचन्द का जीवन
प्रेमचन्द का समय
प्रेमचन्द का उपन्यास साहित्य

निर्धारित उपन्यासों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–
प्रतिपाद्य, चरित्र–चित्रण, युगीन समस्या–निरूपण, गांधीवादी चेतना

निर्देश--

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-२ : नाटककार जयशंकर प्रसाद

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक
निर्धारित नाटक

१ अजातशत्रु – जयशंकर प्रसाद
२ ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- प्रसाद का जीवन
- प्रसाद का समय
- प्रसाद का नाट्य साहित्य : सामान्य परिचय
- निर्धारित नाटकों पर निम्नलिखित प्रश्न पूछे जायेंगे–
  प्रतिपाद्य, चरित्र–चित्रण, इतिहास और कल्पना का योग, अभिनेयता
- हिन्दी नाट्य परम्परा को प्रसाद का योगदान

निर्देश--

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तकों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम एक प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ दोनों पाठ्य पुस्तकों एवं उन पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक पाठ्य पुस्तक में से कम से कम दो प्रश्न करना अनिवार्य है । प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

सामूहिक पाठ्यक्रम (महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय और कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के लिए)
जनवरी २०१४ से प्रभावी (म० द० विश्वविद्यालय में जनवरी २०१३ से ही प्रभावी)
बी०ए० ऑनर्स (हिन्दी)
षष्ठ सेमेस्टर

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

सोलहवाँ प्रश्नपत्र : विशिष्ट लेखक : विकल्प-३ : निबन्धकार आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

खण्ड-(क) : निर्धारित पाठ्यपुस्तक

चिन्तामणि भाग–१ : रामचन्द्र शुक्ल
इस पुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में शामिल किये जाते हैं–

१ भाव या मनोविकार
२ उत्साह
३ श्रद्धा–भक्ति
४ करुणा
५ लज्जा और ग्लानि
६ लोभ और प्रीति
७ घृणा
८ ईर्ष्या
९ भय
१० क्रोध
११ कविता क्या है ?
१२ काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था

खण्ड-(ख) : निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- आचार्य शुक्ल का जीवन
- आचार्य शुक्ल का युग
- आचार्य शुक्ल का निबन्ध साहित्य
- पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धों का प्रतिपाद्य और शिल्प
- हिन्दी निबन्ध परम्परा को शुक्ल का योगदान

निर्देश

१ निर्धारित पाठ्यपुस्तक/निबन्धों में से व्याख्या के लिए ८ अवतरण दिये जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं चार अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या ७ अंक की होगी । पूरा प्रश्न २८ अंक का होगा ।

२ पाठ्यक्रम में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से पांच प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं तीन प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक आलोचनात्मक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न ३० अंक का होगा ।

३ पाठ्य पुस्तक एवं लेखक पर आधारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं पांच प्रश्नों का उत्तर लगभग २०० शब्दों में देना होगा। प्रत्येक लघूत्तरी प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

४ पूरे पाठ्यक्रम में से बारह वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे । प्रत्येक प्रश्न एक–एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न १२ अंक का होगा ।

जुलाई २०११ से प्रभावी
बी०ए० तृतीय सेमेस्टर
(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
प्रेक्टिकल : ३० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

तृतीय प्रश्नपत्र : टिप्पण, प्रारूपण, प्रतिवेदन एवं प्रूफ पठन

(खण्ड क)

- टिप्पण की परिभाषा एवं प्रकार
- टिप्पण की प्रक्रिया
- टिप्पण की विशेषताएँ
- टिप्पण में प्रयुक्त होने वाली शब्दावली
- प्रूफ पठन
- प्रूफ संशोधन के मानक चिह्न

(खण्ड ख)

- प्रारूपण की विशेषताएँ
- प्रारूपण के सिद्धांत
- संक्षेपण
- पल्लवन
- क्षेत्र कार्य : अर्थ एवं प्रक्रिया
- प्रतिवेदन लेखन
- समिति बैठकों का कार्यवृत्त–लेखन

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से चार–चार दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को दो–दो प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ४० अंक का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को १५० शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ४ अंक का होगा । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

प्रेक्टिकल :

- टिप्पण की फाइल तैयार करना ।
- संक्षेपण एवं पल्लवन का अभ्यास ।
- क्षेत्र कार्य करने के उपरान्त उसका प्रतिवेदन तैयार करना ।
- दस अशुद्ध प्रूफों का शोधन करना ।

जनवरी २०१२ से प्रभावी
बी०ए० चतुर्थ सेमेस्टर
(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
प्रेक्टिकल : ३० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

चतुर्थ प्रश्नपत्र : दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन

(खण्ड क)

- रेडियो का सामान्य परिचय
- रेडियो समाचार लेखन
- रेडियो नाटक लेखन
- रेडियो उद्घोषणा लेखन
- रेडियो फीचर लेखन
- रेडियो विज्ञापन लेखन

(खण्ड ख)

- दूरदर्शन का सामान्य परिचय
- दूरदर्शन समाचार लेखन एवं प्रस्तुति
- दूरदर्शन के विविध कार्यक्रमों की भाषा
- दूरदर्शन के विज्ञापनों की भाषा
- दूरदर्शन पटकथा लेखन

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से चार–चार दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को दो–दो प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ४० अंक का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को १५० शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ४ अंक का होगा । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

प्रेक्टिकल :

- रेडियो एवं दूरदर्शन समाचारों में प्रयुक्त होने वाली भाषा का तुलनात्मक अध्ययन ।
- किन्हीं चार विषयों पर दूरदर्शन पटकथा लेखन का अभ्यास ।
- किन्ही चार विषयों पर रेडियो फीचर लेखन का अभ्यास ।

जुलाई २०१२ से प्रभावी
बी०ए० पंचम सेमेस्टर
(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
प्रेक्टिकल : ३० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

पाँचवाँ प्रश्नपत्र : कंप्यूटर, फाइलीकरण एवं उद्यमिता

खण्ड--क : हिन्दी कंप्यूटिंग

- कंप्यूटर का सामान्य परिचय : विविध अंग एवं कार्य प्रणाली
- कंप्यूटर : उपयोगिता और महत्व
- इंटरनेट एवं अपलोड
- डाउनलोड एवं अपलोड
- ई मेल : प्रेषण एवं ग्रहण
- मशीनी अनुवाद

खण्ड--ख : फाइलीकरण और उद्यमिता

- फाइलीकरण : परिभाषा और महत्व
- आदर्श फाइलिंग के तत्व
- फाइलों का वर्गीकरण
- फाइलीकरण की पद्धतियाँ
- उद्यमी का अर्थ एवं कार्य
- उद्यमी के गुण
- उद्यमी का महत्व

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से चार–चार दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को दो–दो प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ४० अंक का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को १५० शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ४ अंक का होगा । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

प्रेक्टिकल :

पाठ्यक्रम में निर्धारित सैद्धान्तिक विषयों से सम्बन्धित प्रेक्टिकल कार्य करवाना ।

जनवरी २०१३ से प्रभावी
बी०ए० षष्ठ सेमेस्टर
(प्रयोजनमूलक हिन्दी)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
प्रेक्टिकल : ३० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

छठा प्रश्नपत्र : पत्रकारिता एवं विज्ञापन

खण्ड--क : पत्रकारिता

- पत्रकारिता : परिभाषा और स्वरूप
- समाचार : संकलन, स्रोत एवं संवाददाता
- सम्पादन कला एवं संपादन मंडल
- समाचार पत्रों के प्रमुख स्तम्भ : सम्पादकीय, फीचर–लेखन, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, कार्टून
- शीर्षक की संरचना एवं शीर्षक सम्पादन
- पृष्ठ सज्जा
- प्रेस सम्बन्धी प्रमुख कानून एवं आचार संहिता

खण्ड--ख : विज्ञापन

- विज्ञापन : परिभाषा एवं उद्देश्य
- विज्ञापन के माध्यम
- विज्ञापन के प्रकार
- विज्ञापन–लेखन के सिद्धांत
- विज्ञापन की विशेषताएँ
- विज्ञापन की भाषा

निर्देश :

१ पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक खंड में से चार–चार दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थियों को दो–दो प्रश्न का उत्तर देना आवश्यक होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए १० अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ४० अंक का होगा ।

२ पूरे पाठ्यक्रम से आठ लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को १५० शब्दों में किन्हीं पाँच प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न ४ अंक का होगा । पूरा प्रश्न २० अंक का होगा ।

प्रेक्टिकल-

किसी भी समाचार कार्यालय में विजिट एवं सामग्री तैयार करना । प्रत्येक माध्यम के लिए किसी भी उपभोक्ता सामग्री पर कम से कम तीन विज्ञापन तैयार करना ।

(केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०११ से प्रभावी
बी०ए० : तृतीय सेमेस्टर
हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१	आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित पुस्तक	३० अंक
२	कहानी एकादशी–सं० दशरथ ओझा प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली	३० अंक
३	हिन्दी साहित्य का रीतिकाल	३० अंक

खण्ड--(क) :

तृतीय सेमेस्टर हिंदी (ऐच्छिक) की आधुनिक हिंदी कविता पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि वह पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले पाठ्यपुस्तक विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित कवियों की रचनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ मैथिलीशरण गुप्त
२ जयशंकर प्रसाद
३ सुमित्रानंदन पंत
४ महादेवी वर्मा
५ सूर्यकांत त्रिपाठी निराला
६ बालकृष्ण शर्मा नवीन
७ रामधारी सिंह दिनकर

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

कवियों के साहित्यिक परिचय, उनके काव्य की संवेदनागत तथा शिल्पगत विशेषताओं से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ख)

निर्धारित पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जा रहा है–

१	ईद का त्योहार	–प्रेमचंद
२	छोटा जादूगर	–जयशंकर प्रसाद
३	पढ़ाई	–जैनेन्द्र कुमार
४	आदमी का बच्चा	–यशपाल
५	दरोगा अमीचन्द	–अज्ञेय
६	दिल्ली में एक मौत	–कमलेश्वर
७	नई नौकरी	–मन्नू भण्डारी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा कहानी–कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का रीतिकाल

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ रीतिकालीन हिंदी कविता के प्रेरणास्रोत
२ रीतिकाल का नामकरण
३ रीतिकाल का विभाजन तथा रीतिबद्ध काव्य की प्रवृत्तियाँ
४ रीतिमुक्त काव्य की प्रवृत्तियाँ
५ रीतिकवियों का आचार्यत्व
६ रीतिकालीन हिंदी काव्य की उपलब्धियाँ

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के १० प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१२ से प्रभावी

बी०ए० : चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी (ऐच्छिक)

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ६० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१	सुदामाचरित : नरोत्तमदास	३० अंक
२	श्रेष्ठ निबन्ध (निबन्ध संग्रह)–सं० डॉ० आलोक गुप्त प्रकाशक–शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली–६	३० अंक
३	हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : कविता	३० अंक

खण्ड--(क) :

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

- नरोत्तमदास का साहित्यिक परिचय
- सुदामाचरित का काव्य रूप
- सुदामाचरित का प्रतिपाद्य
- सुदामाचरित में चरित्र–चित्रण
- सुदामाचरित का युगीन संदर्भ

खण्ड--(ख) :

'श्रेष्ठ निबन्ध' नामक पाठ्यपुस्तक से निम्नलिखित निबन्ध पाठ्यक्रम में निर्धारित किए जा रहे हैं–

निर्धारित निबन्ध-

१ दाँत–प्रतापनारायण मिश्र
२ साहित्य की महत्ता–महावीर प्रसाद द्विवेदी
३ क्रोध–रामचन्द्र शुक्ल
४ आचरण की सभ्यता–सरदार पूर्ण सिंह
५ गेहूँ बनाम गुलाब–रामवृक्ष बेनीपुरी
६ साहित्य और जीवन–नंददुलारे वाजपेयी
७ देवदारू–हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित निबन्धकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित निबन्धों के प्रतिपाद्य तथा निबन्धों की भाषा शैली पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड--(ग) : हिंदी साहित्य का आधुनिक काल : कविता

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ आधुनिककालीन हिंदी साहित्य का परिवेश
२ भारतेन्दुयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ
३ द्विवेदीयुगीन हिंदी कविता की प्रवृत्तियाँ

४ छायावाद
५ प्रगतिवाद
६ प्रयोगवाद
७ नई कविता
८ समकालीन हिंदी कविता

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के १० प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जुलाई २०१२ से प्रभावी

बी०ए० पाँचवाँ सेमेस्टर

हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१ समकालीन हिंदी कविता
२ समकालीन हिंदी कहानी
३ हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

खण्ड (क) :

पंचम सेमेस्टर हिंदी (ऐच्छिक) की समकालीन हिंदी कविता पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित कवियों की रचनाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ स०ही० वात्स्यायन अज्ञेय
२ धर्मवीर भारती
३ भवानीप्रसाद मिश्र
४ दुष्यंत कुमार
५ रघुवीर सहाय
६ सर्वेश्वरदयाल सक्सेना
७ शमशेर बहादुर सिंह

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कवियों के साहित्यिक परिचय, उनकी काव्य संवेदना तथा काव्य शिल्प पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

खण्ड (ख) :

समकालीन हिंदी कहानी पर आधारित प्रस्तावित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग की प्रोफेसर डॉ० रोहिणी अग्रवाल तैयार की जाएगी । म० द० विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि वह पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले पाठ्यपुस्तक को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित कहानीकारों की कहानियों को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ ज्ञानरंजन
२ काशीनाथ सिंह
३ मृदुला गर्ग
४ पंकज विष्ट
५ स्वयंप्रकाश
६ उदयप्रकाश
७ संजीव

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

पाठ्यक्रम में निर्धारित कहानीकारों के साहित्यिक परिचय, निर्धारित कहानियों के प्रतिपाद्य तथा निर्धारित कहानियों की कला पर ही प्रश्न पूछे जाएंगे ।

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल : गद्य

निर्धारित प्रश्न-

१ हिंदी उपन्यास : उद्‌भव और विकास
२ हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास
३ हिंदी कहानी : उद्‌भव और विकास
४ हिंदी निबन्ध : उद्‌भव और विकास
५ हिंदी आलोचना : उद्‌भव और विकास
६ हिंदी साहित्य की अन्य विधाएँ–आत्मकथा, जीवनी, यात्रावृत्त का उद्‌भव और विकास

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

९ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के १० प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

केवल महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय के लिए)

जनवरी २०१३ से प्रभावी

बी०ए० छठा सेमेस्टर

हिन्दी ऐच्छिक

समय : ३ घण्टे

कुल अंक : १००
लिखित परीक्षा : ९० अंक
आंतरिक मूल्यांकन : १० अंक

निर्धारित पाठ्यक्रम एवं अंक विभाजन

१	मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण) : अमृतलाल नागर	३० अंक
२	नव्यतर गद्य विधाएँ	३० अंक
३	साहित्यालोचन	३० अंक

खण्ड (क) :

निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्न

१ अमृतलाल नागर का साहित्यिक परिचय
२ मानस का हंस : प्रतिपाद्य
३ मानस का हंस : चरित्र चित्रण
४ मानस का हंस : पुरावृत्त और कल्पना
५ मानस का हंस : देशकाल और वातावरण
६ मानस का हंस : भाषा शैली

खण्ड (ख) :

नव्यतर गद्य विधाओं पर आधारित पाठ्यपुस्तक (जिसका नामकरण पुस्तक–निर्माण के साथ किया जाएगा) कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय का हिंदी–विभाग तैयार करेगा । कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के हिंदी–विभाग का दायित्व होगा कि पाठ्यक्रम प्रभावी होने से पहले वह पाठ्यपुस्तक को विद्यार्थियों को उपलब्ध कराए ।

प्रस्तुत प्रस्तावित पुस्तक में निम्नलिखित साहित्यिक विधाओं को पाठ्यक्रम में शामिल किया जाएगा–

१ संस्मरण
२ रेखाचित्र
३ यात्रावृत्तान्त
४ ललित निबन्ध (ललित निबन्ध दो शामिल किए जाएंगे)
५ व्यंग्य
६ डायरी

खण्ड (ग) : साहित्यालोचन

निर्धारित विषय

(क) काव्य : स्वरूप और भेद
१ काव्य की परिभाषा
२ काव्य–प्रयोजन
३ काव्य–हेतु

४ काव्य–भेद : महाकाव्य, खण्डकाव्य, गीतिकाव्य

(ख) रस की परिभाषा और उसके भेद

(ग) अलंकार की परिभाषा और प्रमुख अलंकारों का सोदाहरण परिचय–
अनुप्रास, श्लेष, यमक, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, भ्रांतिमान, सन्देह, मानवीकरण ।

(घ) छंद की परिभाषा और प्रमुख छंदों का सोदाहरण परिचय–दोहा, चौपाई, सोरठ, छप्पय, कवित्त।

निर्देश :

१ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

२ खण्ड 'क' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

३ खण्ड 'क' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

४ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से व्याख्या के लिए चार अवतरण दिए जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या करनी होगी । प्रत्येक व्याख्या के लिए ५ अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।

५ खण्ड 'ख' में निर्धारित आलोचनात्मक प्रश्नों में से दो प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किसी एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न ६ अंक का होगा ।

६ खण्ड 'ख' में निर्धारित पाठ्यपुस्तक एवं आलोचनात्मक प्रश्नों में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को लगभग २०० शब्दों में किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

७ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ६ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न १८ अंक का होगा ।

८ खण्ड 'ग' में निर्धारित पाठ्यक्रम में से चार लघूत्तरी प्रश्न पूछे जाएंगे जिनमें से परीक्षार्थियों को किन्हीं दो प्रश्नों का उत्तर देना होगा । प्रत्येक प्रश्न के लिए ४ अंक निर्धारित हैं । पूरा प्रश्न ८ अंक का होगा ।

६ अंतिम प्रश्न वस्तुनिष्ठ प्रकृति का होगा । पूरे पाठ्यक्रम से एक–एक अंक के १० प्रश्न पूछे जाएंगे । पूरा प्रश्न १० अंक का होगा ।